खबर संक्षेप

कोसमघाट में शुरू हुई श्रीमद भागवत पुराण

मण्डला। कोसमघाट में श्रीमद् भागवत पुराण का शुभारंभ किया गया है। कथा के पहले दिन कथा स्थल से बाजे-गाजे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। बताया गया कि 17 से 24 अप्रैल तक यहां कथा वाचक पं. संतोष शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की संगीतमयी कथा सुनाई जाएगी। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ उठाने की अपील की है।

बाल विवाह रोकने जागरूकता कार्यशाला संपन्न

मण्डला। पी.एम.श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर मण्डला में वन स्टॉप सेंटर द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। अक्षय तृतीया त्यौहार में ज्यादातर विवाहों की शुरुआत होती है कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा छात्र/छात्राओं एवं उपस्थित शिक्षकों को बाल विवाह रोकने एवं रुकवाने हेतु समझाइश दी गई जिसमें बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अनुसार 21 वर्ष कम आयु का लड़का और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह बाल विवाह माना जाता है जिसमें जेल एवं आर्थिक दण्ड का प्रावधान है। इस प्रकार अधिनियम के तहत दोषी पाये जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति जो विवाह समारोह में शामिल होते हैं या सहयोग करते हैं। सभी के लिये उचित दण्ड का प्रावधान है, जिसमें माता-पिता के अलावा रिश्तेदार, बिचौलिये, पुजारी, मौलवी, केटरिंग, टेंट, नाई, ब्यूटी पार्लर, विवाह आयोजक, प्रिंटिंग प्रेस और बैंड वाले भी शामिल हो सकते हैं। बाल विवाह में पकड़े गये दोषियों को 2 वर्ष का कारावास एवं एक लाख तक का जुर्माना या सजा दोनो का प्रावधान है।

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में वार्डनों की नियुक्ति अधर में

वर्षों से जमीं पुरानी वार्डनों पर ही मेहरबानी क्यों?

*** विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में वार्डन पद पर नियुक्तियों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी/डीपीसी समग्र शिक्षा (सेंके.एजू.) विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। वर्षों से एक ही स्थान पर जमीं पुरानी वार्डनों की सेवा निरंतर जारी है, जबकि छह महीने पूर्व ही नई वार्डनों की नियुक्ति के आदेश जारी किए जा चुके हैं। लेकिन इन आदेशों पर अमल नहीं होने से योग्य शिक्षिकाओं में असंतोष है।

समग्र शिक्षा अभियान (सेकंडरी एजुकेशन) के तहत इन छात्रावासों के लिए वार्डन पद हेतु जुलाई 2024 में आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी विज्ञापन में स्पष्ट किया गया था कि यदि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षिकाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो माध्यमिक या प्राथमिक स्तर की शिक्षिकाओं को यह दायित्व सौंपा जा सकता है। इसके बावजूद चयनित शिक्षिकाओं को न तो सूचना दी गई और न ही उन्हें पदस्थ किया गया।

19 जुलाई 2024 अंतिम तिथि तक दर्जनों योग्य शिक्षिकाओं ने आवेदन प्रस्तुत किए, लेकिन अप्रैल 2025 तक प्रक्रिया ठप पड़ी है। इस देरी से छात्रावासों की व्यवस्था प्रभावित हो रही है और छात्राओं की सुरक्षा व देखरेख पर भी असर पड़ रहा है। वहीं, पुरानी वार्डनों को हटाने में विभाग की अनिच्छा ने पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

विभाग की निष्क्रियता और चुप्पी से यह प्रतीत होता है कि या तो कोई स्पष्ट नीति नहीं है या फिर कुछ वार्डनों को जानबूझकर लाभ पहुंचाया जा रहा है। जिससे योग्य उम्मीदवारों में निराशा व्याप्त है और वे स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रही हैं। वहीं, छात्रावासों में अनुशासन और निगरानी व्यवस्था कमजोर हो रही है, जो छात्राओं की शिक्षा और विकास में बाधा बन सकती है।

अब एक बार फिर विभाग द्वारा पुनः नए सिरे से आवेदन मांगे गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है। यह स्थिति दर्शाती है कि नियुक्ति प्रक्रिया एक वर्ष से केवल कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रह गई है। सवाल यह है कि क्या अब भी नियुक्तियां होंगी या फिर वही पुरानी लटकाने की नीति जारी रहेगी?

समग्र शिक्षा अभियान का उद्देश्य बालिकाओं को सुरक्षित, संरक्षित और प्रेरणादायक वातावरण देना है। परंतु विभागीय लापरवाही इस उद्देश्य को कमजोर बना रही है। अब आवश्यक है कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग इस गंभीर विषय को प्राथमिकता दें और पात्र शिक्षिकाओं को नियुक्त कर छात्रावासों में व्यावसायिक, सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण सुनिश्चित करें।

विहिप के नेतृत्व में हिन्दू समाज द्वारा बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने हेतु दिया गया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

विश्व हिन्दू परिषद जिला बिछिया के नेतृत्व में सनातन हिन्दू समाज द्वारा पश्चिम बंगाल में हिन्दू समाज के ऊपर हो रहे भीषण अत्याचार के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन पूरे देश में हुआ। इसी तारतम्य में बिछिया में सर्व हिन्दू समाज द्वारा विनोद रंगमंच रामलीला मैदान भुआ बिछिया में एकत्रीकरण हुआ। तत्पश्चात रैली का नगर भ्रमण करते हुए पुलिस थाना बिछिया में न्यायिक दंडाधिकारी बिछिया को महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेखित किया गया कि पश्चिम बंगाल में तत्काल प्रभाव से राष्ट्रपति शासन लगाया जाए तथा राज्य में हिन्दू समाज की सुरक्षा सुनिश्चित हो। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार संसद में सर्वसम्मति से पास हुए वक्फ संशोधन बिल को मानने हेतु तैयार नहीं है तथा न्यायालय के निर्णयों को भी खुले तौर पर नकार रही है, जिसमें राज्य में भयंकर अराजकता का माहौल है। ममता सरकार के इशारे पर वक्फ बिल के बहाने कट्टरपंथी तथा बांग्लादेशी घुसपैठियों लोगों द्वारा बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिन्दू समाज के औरत, बच्चों और सभी की या तो हत्याएं की जा रही हैं या उन्हें मारपीट कर व हिन्दू महिलाओं के साथ अनैतिक कृत्य कर उन्हें पलायन हेतु विवश किया जा रहा है, मुर्शिदाबाद की तर्ज पर सारे बंगाल राज्य में कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू समाज के साथ अमानवीय अत्याचारों की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, पुलिस और कानून व्यवस्था इस भयावह स्थिति से निपटने में असक्षम हो रही है, कहीं कहीं पुलिस और सेना के जवानों पर कट्टरपंथियों द्वारा हमले किए गए हैं और यह सब ममता सरकार के इशारे पर हो रहा है। अतः पश्चिम बंगाल में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाते हुए हिन्दू समाज की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उक्ताशय से विश्व हिन्दू परिषद के नेतृत्व में सनातन हिन्दू समाज द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बिछिया क्षेत्र से सर्व हिन्दू समाज के सनातनी बंधु उपस्थित रहे।

नरवाई जलाने पर देवगांव के 24 किसानों पर 60 हजार का जुर्माना....................

मण्डला। मंडला विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगांव में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने वाले 24 किसानों पर एसडीएम सोनल सिडाम ने सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 60 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। यह कार्रवाई कृषि विभाग और प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से की गई है। जानकारी के अनुसार, देवगांव क्षेत्र में कई किसानों द्वारा कटाई के बाद खेतों में बचे हुए नरवाई को जलाया जा रहा था। इस संबंध में अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और नरवाई जलाने वाले 24 किसानों की पहचान की। जिसके बाद इन सभी किसानों पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कुल 60 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

महाराजपुर में झोलाछाप डॉक्टर पर FIR दर्ज

*** मंडला एसडीएम सोनल सिडाम ने औचक निरीक्षण कर की कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला एसडीएम सोनल सिडाम ने महाराजपुर में अवैध रूप से चिकित्सा कार्य कर रहे एक झोलाछाप डॉक्टर के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम ने महाराजपुर में औचक निरीक्षण कर मनोज परते नामक व्यक्ति द्वारा क्लीनिक बिना किसी वैध चिकित्सा डिग्री के मरीजों का इलाज करते हुए पाया गया।

मनोज परते के पास किसी भी प्रकार की वैध चिकित्सा शिक्षा या डिग्री नहीं है और वह गैरकानूनी रूप से लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा था। एसडीएम सोनल सिडाम ने इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए झोलाछाप डॉक्टर मनोज परते कार्यवाही की गई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक राकेश कटारिया, डॉ वैभव पटेल, बी एम ओ डॉ. देवेंद्र शर्मा, मेडिकल ऑफिसर, महाराजपुर पटवारी योगेश तिवारी,नीरज वरकड़े सहित संबंधित उपस्थित थे।

समीक्षा | आध्यात्मिक महत्व वाली जल संरचनाओं का पुनरोद्धार करायें-मुख्यमंत्री।

सीएम ने वीसी के माध्यम से की समीक्षा

*** जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों में जन प्रतिनिधियों को अवश्य शामिल करें।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान की वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आध्यात्मिक महत्व वाली जल संरचनाओं का पुनरोद्धार करायें। जन आस्था से जुड़ी संरचनाओं के जीर्णोद्धार में आमजन को भी शामिल करें। प्राकृतिक जल स्त्रोतों को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। नदियों का उद्गम स्थल यदि जीवित रहेगा तो नदी अविरल रहेगी हमें इस भाव को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रमुख नदियों में मिलने वाले गंदे नालों का चिन्हांकन करें, वर्षा काल में जिन स्थानों पर जल भराव की स्थिति उत्पन्न होती है, उन पर अभी से काम करें ताकि जलभराव न होने पाये। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों में जन प्रतिनिधियों को अवश्य शामिल करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गर्मी के समय नरवाई एक बड़ी समस्या बन रही है। इसके लिए लोगों को जागरूक करें, किसानों को वैकल्पिक साधनों से परिचित करायें। शासन-प्रशासन के काम से सुशासन की छवि दिखाई देनी चाहिए। सभी को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना है। आमजन को लू, गर्म हवाओं के कारण होने वाली बीमारियों और उनसे बचने के तरीकों से लगातार सजग करें ताकि बीमारियों का प्रकोप कम से कम हो। वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान एनआईसी कक्ष में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, ईई पीएचई मनोज भास्कर, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, उप संचालक कृषि श्रीमती मधु अली, पीओ मनरेगा श्रीमती ऋतु तिवारी, सीएमओ नगर पालिका श्री गजानन नाफड़े सहित संबंधित उपस्थित रहे।

लगातार मांग करने के बाद भी खुलरी बैक में अभी तक नहीं लग पाया एटीएम, उपभोक्ताओं को अपने खातों से राशि निकलने में लगाना पड़ती है लम्बी लाईन, लगाना पड़ते है अनेक चक्कर..

खुलरी

जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगातार प्रयास करते हुए देश को डिजीटल इंडिया बनाने में लगे हुए है जिसके चलते लोगों का हर लेन देन बैकों के माध्यम से कराने का प्रयास करते हुए संपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए कैस लेस बनाया जा रहा है। इस प्रकार से देश के प्रधान मंत्री की इस सोच को लेकर लोगों द्वारा प्रसन्नता तो निश्चित ही जाहिर की जा रही है। मगर देखा जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंकों में पर्याप्त व्यवस्थाएं नही हो पाने के कारण बैक उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ रहा है जिसको लेकर सवाल यह पैदा हो रहा है कि जब ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंकों में पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होगी तो फिर क्या देशस के प्रधानमंत्री का केश लेश डिजिटल इंडिया बनाने का यह सपना पूरा हो पायेगा? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खुलरी स्थिति भारतीय स्टेट बैंक में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि क्षेत्र की मात्र एक बैंक के माध्यम से ग्राम खुलरी सहित ग्राम भौरझिर, मुड़िया, बिलोनी, सूरना, घघरौला, पटना, लिंगा, पिठहरा, भूमिया ढ़ाना, करहैया, सलैया, बेहरा सहित अन्य गांवों के किसानों से लेकर पंचायत व स्कूली छात्र छात्राओं के खाते इसी बैंक के माध्यम से संचालित हो रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा किसानों के लिये भी अनाज विक्रय से लेकर अन्य योजनाओं की राशि भी बैक खातों में भेजे जाने कारण क्षेत्र के किसान भी इसी बैक के भरोसे चल रहे है, जिसके चलते इस बैक शाखा में प्रतिदिन खातेदारों की भीड़ लगना आम बात हो चुकी है। वही बैक अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों का प्रयास होता है कि वह अपने उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करने के लिए मजबूर न करें। मगर बैक के समय में अक्सर सरबर डाउन होने के साथ अन्य प्रकार की परेशानिया आने के कारण वह भी अपने उपभोक्ताओं को समय पर संतुष्ट करने में सफल नही हो पा रहे है। क्योंकि खातेदार अपनी छोटी से छोटी राशि निकालने के लिये भी बैक की लाईन में लगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। यह बात अलग है कि खाते से पैसा निकालने के लिये अन्य जगहों पर सुविधाये तो मौजूद है। मगर उस सुविधा का लाभ लेने के लिये खातेदार को अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इसी के चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा बीते हुये लम्बे समय से भारतीय स्टेट बैक शाखा खुलरी में एटीएम स्थापित किये जाने की मांग उठाई जा रही है। मगर इसके बाद भी यहां पर एटीएम नही लगना जिम्मेदारों की उदासीनता का प्रमाण उजागर करने से नही चूक रहा है, जिसके चलते देखा जाता है कि ग्राम सहित अनेक गांवों से आने वाले लोग दिन दिन भर लम्बी लाईनों में लगे रहने के बाद जब बैक का समय समाप्त हो जाता है तो उन्हें खाली हाथ अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर बैक में उपभोक्ताओं की पास बुको में एन्ट्री करने की व्यवस्था तक उपलब्ध नही होने से उपभोक्ताओं के अपने खातों जमा राशि की जानकारी तक नही मिल पा रही है? इसी बात को लेकर बीते हुये कुछ साल पहले ग्राम खुलरी के लोगों द्वारा क्षेत्र के तत्कालीन सांसद राव उदय प्रताप सिंह को एक ज्ञापन सौपते हुये खुलरी स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा में शीघ्र ही एटीएम सहित पास बुक प्रेटिंग मशीन लगाये जाने की मांग की गई थी। मगर वह मांग शायद आज तक पूरी ही नही हो पाई है और पता नही कब तक पूरी होगी इसका किसी को पता नही है...? वही दूसर ओर स्टेट बैंक शाखा में एटीएम मशीन न होने को लेकर लोगों की परेशानियों के संबंध में जब ग्रामीणों से चर्चा की गई तो यहां के युवा व्यापारियों का कहना है कि यह बात सही है कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा अच्छी सोच के साथ देश को तरक्की की ओर ले जाया जा रहा है और हर कार्य के लेन देन को सरकार द्वारा जिस प्रकार से कैश लेश किये जाने पर जोर दिया जा रहा है उससे निश्चित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। मगर वही दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों की बैक शाखाओं में लेन देन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होने के कारण लोगों को लेन देन करने में परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। इस स्थिति में ग्राम खुलरी बैक में एटीएम की स्थापना की बहुत जरूरी हो गई है जिससे लोग जरूरत पड़ने पर अपने पैसा निकाल सके। इसी प्रकार से कृषकों का कहना है कि जिस प्रकार से सरकार द्वारा किसानों के लिये चलाई जा रही अनेक योजनाओं के साथ साथ अनाज खरीदी का पैसा सीधे किसानों के खातों में भेजा जाता है। मगर अब सवाल यह पैदा हो रहा है कि जब बैकों में किसानों को अपनी राशि निकालने के लिये पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होगी तो वह अपनी राशि कैसे निकाल पायेगा। एटीएम की सुविधाये शहरों में तो है पर गांवो में न होने से लोग परेशान होते है। लगातार मांग किये जाने के बाद भी खुलरी बैक में एटीएम न लग पाना यहां विभाग व क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का परिणाम है। इसी प्रकार से छात्र छात्रों से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि सरकार द्वारा जिस तरह लेनदेन की व्यवस्था डिजिटल की गई है वह बहुत अच्छी है मगर गांवों की बैंकों में एनटीएम न होने से इन योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है। मेरे पास एंड्राइड फोन न होने से मैं फोन पे नही कर पाती हूं..? अगर गांव में एटीएम की सुविधा होती तो हम सभी स्कूली बच्चों को इसका लाभ मिल सकता था। गौर किया जावे तो हमारे गांव खुलरी की पांच हजार से अधिक की आवादी होने के साथ यहां पर स्थिति स्टेट बैक शाखा से आसपास के अनेको गांव जुड़े हुये है। जिसके चलते हजारों छात्र छात्राओं के बैक खाते इसी बैक से संचालित होने के बाद एटीएम की व्यवस्था नही होने से हम छात्र छात्राओं को पैसा निकालने के लिये करेली या फिर गाडरवारा जाने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में हम लोगों का समय बर्बाद होने के साथ साथ पढ़ाई भी प्रभावित होने से नही चूकती है।

खबर संक्षेप

पंचायतों में पौधें के साथ प्लेटफार्म भी हो रहे हैं गायब, हर वर्ष लाखों खर्च होने के बाद भी दर्शन नहीं दे रहे पेड़

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। राष्टीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा,लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है,जिस कारण क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय सरपंच,सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयंत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है। जानकारी अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल पचास प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही है अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की गई है, लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत की अनेक ग्राम पंचायतों में पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे अनियमितता बरती गई है? जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायतों में जाकर देखा जा सकता है। हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है। क्षेत्र मे जहां कही भी हरियाली महोत्सव के नाम राशि को खर्च किया गया है। वहां यह योजना दम तोड़ चुकी नजर आ रही है। काबिल गौर है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरों को काम मुहैया कराने व विकास के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई थी, लेकिन जहां कहीं भी यह योजना हरियाली महोत्सव के नाम पर चलाई गई वहां परिणाम केवल कागजों मे सिमट कर रह गए है। वस्तु स्थिति कुछ अलग बयां कर रही है कि ट्री गार्ड तो निर्माण करवाये गए थें, लेकिन पौधे तैयार नही हो सके,क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में जाकर देखा जाए तो ट्री गार्ड के नाम पर इस राशि का बंदरबाट जमकर किया गया है? वही कुछ पंचायतों में तो ट्री गार्ड के नाम से राशि निकालकर पौधों के चारो ओर बेसर्म की बाड़ी लगा दी गई थी, जिससे पैसा की जगह बेसर्म तैयार हो गई है। पूर्व के पंचायती राज कार्यकाल के समय मे रहे सरपंच और सचिव तथा अधिकारियों की मिली भगत दिखाई दे रही है, इसके लिए समूचा प्रशासन तंत्र व ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों की अनियमितताएं खुल रूप मे उजागर हो रही है? विभिन्न ग्राम पंचायतों के विगत पंचवर्षीय मे सरपंच, सचिव व अधिकारियों की इस घोर अनियमितता के चलते क्षेत्रवासियों का हरित क्रांति का सपना अधूरा रह गया है।

वर्षो पुरानी बिजली लाईनों के भरोसे चल रही अटल ज्योति योजना से परेशान हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज/ पलोहा बड़ा। जिस प्रकार से शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवासकरने वाले लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा 24 घंटे बिजली देने की बात कहते हुए अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था जिसके चलते जहां लोगों में खुशी देखने मिल रही थी, मगर यह योजना इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में जिस प्रकार से वर्षों पुरानी बिजली लाईनों में चलते हुए देखी जा रही है उसके चलते ग्रामवासियों को सिर्फ परेशानी ही नही बल्कि इस योजना के तहत 24 बिजली मिल पाना मुश्किल हो रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के तहत जिस प्रकार से सिंचाई हेतु अलग व घरेलू उपयोग हेतु अलग अलग बिजली लाईनों का विस्तार करने के लिए निजी कंपनियों को ठेका देते हुए कार्य कराया गया था। मगर बिजली लाईनों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों द्वारा पुराने ही बिजली तारों का उपयोग करते हुए इस योजना को स्वरूप बदते हुए कम बोल्टेज वाले तारों पर हाई बोल्टेज की सप्लाई कर दी गई है।

पुलिस द्वारा पकड़ी गई पचास लाख की अवैध शराब में दो आरोपियों को गिरफ्तार किये जाने की खबर, खुलासे का इंतजार

गाडरवारा। क्षेत्र में चल रहे मादक पदार्थो के अवैध कारोबार को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमति मृगाखी टेका के निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बीते हुये 16-17 अप्रैल की दरम्यानी रात गाडरवारा पुलिस द्वारा रात्रीकालीन गस्त के दौरान नगर के समीपस्थ वायपास मार्ग स्थिति गोल्डन सिटी कालोनी में एक भारी भरकम ट्राला सहित एक ट्रक्टर ट्राली में सीमेन्ट की बोरियों के बीच लगभग पचास लाख कीमत की अवैध शराब पकड़ने में सफलता हासिल की गई थी। क्योंकि मौके पर खड़े हुये ट्राला क्रमांक RJ19-GG-6377 तथा ट्रेक्टर क्रमांक MP49-AB-1154 को देखकर यह अनुमान लगने से नही चूक रहा था कि निश्चित तौर से इस ट्राला के माध्यम से अवैध शराब को गाडरवारा में लगाया गया है तथा ट्रेक्टर में भरते हुये उसे शहर में किसी निर्धारित स्थल पर पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे होगे..? क्योंकि मौके पर खड़े हुये ट्राला सहित ट्रेक्टर में पाई गई सीमेन्ट की बोरियों से यह बात भी उजागर होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे थी कि शराब माफियों द्वारा इस अवैध कारोबार सीमेन्ट की बोरियों की आड़ में किया जा रहा है। इस तरह उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन व नगर निरीक्षक विक्रम रजक के नेतृत्व में की गई गाडरवारा क्षेत्र में इस बड़ी कार्यवाही के दौरान जहां आरोपी तो मौके से भागने में सफल हो गये थें। मगर पुलिस द्वारा ट्रेक्टर ट्राली सहित 600 पेटी अंग्रेजी बेक पाईवर कंपनी की शराब को जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वही घटना स्थल का जिला पुलिस अधीक्षक मृगाखी टेका द्वारा दौरा करते हुये पकड़ी गई शराब का निरीक्षण करने के बाद आरोपियों की खोजबीन करने के लिये सख्त आदेश जारी किये गये थें। इस तरह मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये डीएसपी रत्नेश मिश्रा तथा टीआई विक्रम रजक की जोड़ी लगातार अनेक विंदुओं पर मामले की जांच करते हुये आरोपियों की खोजबीन में जुटी हुई देखी जा रही थी। इस तरह बीते हुये शनिवार को सूत्रों से मिल रही खबर के अनुसार दो आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल किये जाने की खबर है..? वैसे पुलिस द्वारा इस संबंध में अभी तक अपनी ओर से कोई खुलासा तो नही किया गया है। मगर सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि मौके से जप्त किया गया ट्रेक्टर स्थानीय होने के साथ साथ शराब की सुरक्षा के रूप में रखा गया सीमेन्ट भी स्थानीय दुकान से खरीदा होने के चलते पुलिस द्वारा उसी को लक्ष्य बनाते हुये की गई जांच में पकड़े गये दो आरोपियों से इस पचास लाख कीमत की अवैध शराब का राज खुलते हुये दिखाई देने लगा है..? जनचर्चाओं के अनुसार पकड़े गये आरोपियों द्वारा पुलिस के समक्ष संपूर्ण सच्चाई उजागर किये जाने की चर्चा सुनी जा रही है। वही इस अवैध कारोबार से जुडा हुआ मुख्य सरगना अभी फरार होने के चलते पुलिस उसकी खोजबीन में जुटी होने की खबर है..? संपूर्ण मामले की सच्चाई उजागर होने के लिये अभी मीडिया द्वारा अधिकारियों के माध्यम से खुलासे का इंतजार किया जा रहा है..? मगर बताया जाता है कि पुलिस द्वारा भारी मात्रा के पकड़ी गई शराब का भेंद खोलने में काफी हद तक सफल बताई जा रही है..? क्योंकि जिस तरह से पुलिस द्वारा इतनी अधिक मात्रा में शराब पकड़ने में सफलता हासिल की गई थी वह निश्चित तौर से गाडरवारा पुलिस एक बड़ी सफलता हाथ लगने की बात से इंकार नही किया जा सकता है..। मगर सबाल यह है कि इस मामले में क्या पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास करेगी कि इस माल को ट्रेक्टर के माध्यम से रखने के लिये किस स्थान पर ले जाने का प्रयास किया जा रहा था या फिर ट्राला में लोडिंग करने के लिये किस स्थान से लाई गई थी। यदि बाहर से बुलाई गई है तो फिर किस जगह से बुलाई गई थी.., यदि बाहर भेजी जा रही थी तो लोडिंग के पहले किस जगह रखी गई थी। यदि पुलिस उन स्थानों का पता लगाने में सफल होती है तो निश्चित तौर से मामले में और अधिक राज खुलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? वही गौर किया जावे तो जिस तरह सीमेन्ट बोरियों की सुरक्षा के बीच इस तरह धडल्ले से किये जा रहे शराब के अवैध परिवहन का यह पहला मामला नही हो सकता है इसके पहले भी इस तरह का अवैध कार्य पूर्व में भी होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

नगर पंचायत की उदासीनता के चलते स्थापित हो रहा गंदगी का सामाज्य, मच्छरों के चलते फैल सकती है बीमारियाँ

साईंखेड़ा। जिस प्रकार से कुछ वर्ष पूर्व दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा निवासियों द्वारा सोचा था कि अब यह नगरी ग्राम पंचायत के बाद नगर पंचायत बनने के बाद उन्हें पूर्ण रूप से स्वाच्छ वातावरण मिलने के बाद सभी प्रकार की सुविधाएं प्राप्त होगी। मगर यह बात उन्हे मात्र सपना ही साबित होते हुए जान पड़ रही है? क्योंकि यह बात अलग है कि ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बने हुए नगर परिषद का यह दूसरा कार्यकला चल रहा है। मगर लोगों की व्यवस्थाओं पर गौर किया जावे तो सांईखेड़ा निवासी आज भी अनेक प्रकार की परेशानियो से जूझते हुए जान पड़ रहे है जिसके चलते नगर पंचायत की कार्यशैली पर सबाल खड़े होते हुए जान पड़ रहे है..? क्योंकि इस समय चल रहे गर्मी के मौसम के बीच दादा धूनी वालों की नगर गंदगी से बजबजाने के कारण यहां पर मच्छरों की फौज में लगातार इजाफा होते हुए देखा जा रहा है और अधिकारी स्वाच्छता का संदेश देते हुये सिर्फ अपने कार्यालयों तक सीमित होकर रहे चुका है। बताया जाता है कि इन दिनों सांईखेड़ा नगर में लगातार बढ़ रहे मच्छरों के प्रकोप का प्रमुख कारण मात्र एक है कि नपा द्वारा नगर की सफाई व्यवस्था की ओर ध्यान नही दिये जाने के कारण चारों ओर गंदगी का साम्राज्य स्थापित दिखाई दे रहा है। इतना ही नही बताया जाता है कि नपा क्षेत्र में खुली नालियां होने से जहां नालियों का गंदा पानी सड़को पर बह रहा है और नालियों को नियमित रूप से साफ सफाई नही होने के कारण मच्छरों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते अनदेशा है कि कही ऐसा न हो कि सांईखेड़ा नगर में बीमारी फैल जावे..? गौरत तलब है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी पिछले कई बर्षो से मच्छरों की रोकथाम के लिये कोई प्रयास नही किये गये है जिसके चलते लोगों को अनेक प्रकार के परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इतना ही नही नपा द्वरा रोडों के निर्माण में तकनीकी सलाह की अनदेखी कर व्यवस्थित नालियां न बनाने के कारण निस्तारी पानी सड़को पर ही बहता रहता है जिसके चलते गंदगी का आलम देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि नगर के अनेक वार्ड इस तरह है कि उनके अंदर सड़क व नाली के बीच अंतर खोज पाना मुश्किल हो गया है। इस तरह सड़को पर बहता पानी गंदगी के साथ साथ मच्छरों को भी संरक्षण दे रहा है। नालियों की नियमित रूप से साफ सफाई भी नपा के सफाई अमले द्वारा सुचारू रूप से नही की जा रही है, इसके बाद भी नपा द्वारा नगर को स्वच्छ रखने के नाम पर खुशी मनाते हुए होली के समय में दिवाली मनाते हुए देखा जा रहा है? इस प्रकार से मच्छरों के बढने से बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। यदि नगर पालिका मे पदस्थ कर्मचारियों व अधिकारियों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो हर माह लाखों की राशि इन कर्मचारियों के नाम पर सेलरी के रूप में खर्च हो रही है। मगर जब भी नगर परिषद कार्यालय का रूख किया जाता है ताो कर्मचारी गायब नजर आने के चलते लोगों को भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाताहै। जनापेक्षा है कि मच्छरों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य विभाग सहित नपा प्रशासन को कीट नाशक दवाओं का छिड़काव करना चाहिए जिससे समय रहते हुए इस प्रकार से लगातार बढ़ रही मच्छरों की फौज पर अंकुश लग सके।

अधिकारियों की अनुदेखी कही जावे या फिर कृपा दृष्टि भरे परिणाम के चलते क्षेत्र में खुलेआम तारों में कंटी लगाकर की जा रही बिजली चोरी...?

कल्याणपुर। जहां एक ओर आम उपभोक्ताओं को बिजली विभाग द्वारा मनमाने बिल देते हुये उनसे बसूली की जा रही है तो दूसरी ओर खुलेआम हो रही बिजली चोरी की सच्चाई को बिजली विभाग के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि बिजली चोरी करने वालों के हौसले लगातार बुलंद होते चले जा रहे है। कल्याणपुर क्षेत्र में खुलेआम हो रही बिजली चोरी को लेकर क्षेत्र के लोगों का कहना है कि क्षेत्र जिस प्रकार बिजली विभाग द्वारा अपने निष्ठावान उपभोक्ताओं को मनमाने बिल दिये जा रहे है उसमें वह बिल भी शामिल किये जा रहे है जो पहले सरकार द्वारा माफ किये जाने की बात कही गई थी? क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता इतना पढ़ा लिखा नही होता हे कि बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा की जाने वाली इस गफलतबाजी को आसानी से समझ सके? मगर अब देखा जा रहा है कि बिजली

विभाग द्वारा पूर्व में शून्य किये गये बिलों को जोड़कर आम उपभोक्ताओं से बसूली की जा रही है जिसके चलते जहां निष्ठावान विद्युत उपभोक्ता जहां बिजली विभाग की मनमानी से परेशान होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर चोरी से बिजली का उपयोग करने वाले अधिकारियों की कृपा दृष्टि के चलते मजे में दिखाई दे रहे है? इतना ही नही क्षेत्र में अनेक जगहों पर बिजली विभाग की मिली भगत व कृपा दृष्टि हो हो रही बिजली चोरी के चलते जब क्षेत्र की खपत अधिक होती है तो ऊपर से बिजली बिलों में आर्थिक भार अधिक होने के चलते बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा आम उपभोक्ताओं के बिलों में मन के माफिक बढ़ोत्तरी करते हुये बसूली करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है? बताया जाता है कि जिस तरह बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के घरों में मीटर लगाते हुये उसकी रिडिंग के आधार पर बिल बसूले जाते है उसकी प्रकार से क्षेत्र के लिये भी निर्धारित मात्रा में उच्च स्तर पर बिजली सप्लाई करते हुये उसका लेखा जोखा रखा जाता है और संपूर्ण क्षेत्र का लेखा जोखा करते हुये संबंधित वितरण केन्द्र के कार्यालय को बसूली का जिम्मा सौपा जाता है। वितरण केन्द्र को उच्च स्तर से मिले हुये बिल में चोरी से बिजली उपयोग करने वालें की खपत भी शामिल हो जाती है और उसी अंतर को पूरा करने के लिये स्थानीय स्तर पर बिजली विभाग द्वारा निष्ठावान उपभोक्ता जिनके घरों में मीटर लगे हुये होते है उनके बिलों में इजाफा करते हुये बसूली की जाती है? क्योंकि उदाहरण के लिये देखा जावे तो संपूर्ण क्षेत्र में मान लिया जावे एक माह में 100 यूनिट बिजली प्रदान की गई है जिसमें 50 यूनिट बिजली निष्ठावान उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग की गई और 50 यूनिट बिजली चोरी हो जाती है। मगर वितरण केन्द्र को तो ऊपर 100 यूनिट बिजली का ही हिसाब व बिल देना होता है। इस तरह चोरी हुई बिजली का हिसाब मिलाने के लिये उनके हिस्से का बिल भी ईमानदार उपभोक्ताओं के बिलों में जोड़कर बसूल करने से नही चूकते है और इसी का परिणाम है कि बिजली चोरी करने वालों के हौसले बुलंद होने से वह बगैर पैसा खर्च किये हुये अधिकारियों की कृपा दृष्टि से बिजली का उपयोग करने से नही चूक रहे है? क्योंकि बिजली विभाग के अधिकारी यदि निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करने लगे तो एक यूनिट बिजली चोरी होना भी संभव नही हो सकता है? मगर जब जिम्मेदार अधिकारियों की बिजली चोरी करने वालों पर कृपा दृष्टि बनी होगी तो बिजली चोरी को रोकना भी संभव नही हो सकता है? और इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में जहां तहां बिजली लाईनों से कंटी फसी हुई आसानी से देखने मिल रही है जहां पर आये दिन बिजली विभाग के अधिकारियो से लेकर कर्मचारियों का आना जाना लगा रहने के बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना निश्चित तौर से अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करते हुये संदिग्ध बनाने से नही चूक पा रही है?

मूक पशुओं की रक्षा के लिये जागरूकता की आवश्यकता

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने उपयोग के लिये पशुओं को पालते जरूर है। मगर जिस प्रकार से उनका उपयोग करते हुये उनकी देखरेख में बरते जाने वाली कोताही का परिणाम इस प्रकार से देखा जाता है कि मूक पशुओं की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूकती है, क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि जहां लोग गायों का दूध निकालते हुये उन्हें शहरों में सड़को पर इस प्रकार से छोड़ दिया जाता है जिसके चलते वह आम लोगों के लिये परेशानी का कारण तो बनते है साथ ही साथ उन मूक पशुओं की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूकती है? कुछ इसी प्रकार का हाल ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने मिलता रहता है जहां पर लोगों द्वारा अपने घरों में पशुओं को पालते हुये उनका उपयोग तो रकते है मगर उन्हें घरों के पास बांधते हुये इस बात का ध्यान पर ध्यान देने से भूल जाते है कि इस समय पड़ रहे गर्मी के दौरान जहां लोग अपने घरों के अंदर पंखा कूलर छोड़ने का मन नही बना पाते है और मूक पशु तपती हुई धूप के बीच बंधे हुये चुपचाप खड़े रहते है। इस प्रकार से पशुओं के प्रति अनदेखी करने वाले पशु मालिकों के खिलाफ जहां एक जागरूकता की जरूरत है। वही दूसरी ओर कानूनी कार्यवाही की जरूरत भी महसूस करने से नही चूक पा रही है? क्योंकि यदि इस प्रकार से पशु मालिकों द्वारा अपने मूक पशुओं के प्रति की जाने वाली अनदेखी के चलते उन्हें प्रताड़ित होने के लिये छोड़ दिया जाता है तो कार्यवाही शुरू हो जावे तो निश्चित ही इस प्रकार से अपने स्वार्थो को पूर्ण करते हुये इन मूक पशुओं को प्रताड़ना देने वालों पर अंकुश लग सकता है?

शिवाजी इंटरनेशनल स्कूल
ADMISSION OPEN
ENGLISH MEDIUM | Class - Play group to 10th
व्यवस्थित प्लेग्राउंड एवं एक्टिविटी क्लासेस,सुरक्षित वाहन सुविधा
Do Visit Once Before Getting Your Child Admitted
सांस्कृतिक परिवेश में सुव्रण व आधुनिक अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा
*Abacus Classes
for all students
WITH CBSE PATTERN
100% Digital Smart Classes
With Smart Teachers
निरंजन वार्ड, आचार्य महल के पास, गाडरवारा जि.नरसिंहपुर मो. 9977414248

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
नर्सरी से कक्षा सातवी तक
DPIS
प्रवेश निःशुल्क
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob.-9039230199, 7224021199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

हैंडपंप में सुधार और सफाई का काम शुरू हैडपंप के आसपास से हटाया अतिक्रमण

पेयजल संकट से निजात दिलाने के प्रयास शुरू, कलेक्टर के संज्ञान में आने के बाद अमला पहुंचा खरगहना

डिण्डौरी

जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत खरगहना में कई वर्षों से बनी पानी की समस्या से अब संभवतः ग्रामीणों को निजात मिल जाएगी। ग्रामीणों द्वारा पानी की समस्या के संबंध में लगातार शिकायतें जनसुनवाई में भी की जा रही थी। हाल ही में एक बार फिर ग्रामीणों द्वारा जनसुनवाई में पानी की समस्या की शिकायत की गई थी। समस्या का निराकरण नहीं होने पर ग्रामीणों द्वारा आंदोलन की चेतावनी भी दी गई थी। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मिलकर उन्हें भी समस्या से अवगत कराया था। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों को तत्काल गांव जाकर समस्या के निवारण के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के बाद शनिवार को जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, तहसीलदार बजाग भरत सिंह बट्टे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग अफजल इमामउल्ला गांव पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर निराकरण के निर्देश अमले को दिए है।

मुनादी करने के दिए गए निर्देशः -

ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष मांग रखी कि बंधान के पानी में मोटर डालकर पानी नहाने सहित निस्तार के लिए पानी सप्लाई किया जा सकता है। गांव के वर्षों पुराने कचरे से पटे कुआं की साफ साफ सफाई कर दी जाएगी तो इसमें भी पानी मिल सकता है। ग्रामीणों ने पानी की समस्या को देखते हुए विकल्प के रूप में टैंकर से भी पानी सप्लाई करने की भी मांग की। ग्रामीणों के कहने पर अधिकारियों द्वारा गांव के ठाकुर टोला में पुराने कुआं समेत गांव में बंद पड़े हैंडपंप का भी निरीक्षण किया गया। जिला पंचायत सीईओ व एसडीएम द्वारा निर्देश दिए गए कि जल्द से जल्द कुआं की साफ सफाई करवाने के साथ बंद पड़े हैं पंपों का सुधार भी कराया जाए। ग्राम पंचायत के सचिव व कोटवार को निर्देश दिए गए की गांव में मुनादी कराई जाए कि बंधान का पानी का उपयोग ग्रामीण केवल नहाने ,मवेषियों के लिए और अन्य निस्तार के लिए ही उपयोग करें पीने के लिए बंधान के पानी का उपयोग न करें। बंधान के पानी का नमूना भी जांच कराने के लिए पीएचई विभाग के कर्मचारियों द्वारा लिया गया है।

सोनवानी परिवार ने गांव छोडा:-

ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से पानी की समस्या का निराकरण नहीं हो पाने के चलते ठाकुर टोला के एक परिवार द्वारा गांव छोड़ दिया गया है। चमरू सोनवानी और उनके परिवार के चार सदस्य महिला के मायके ग्राम भालूचूहा जाकर रहने लगे हैं। पानी की समस्या से तो सभी लोग परेशान है लेकिन अन्य लोग किसी तरह से पानी का इंतजाम कर जीवन यापन कर रहे हैं। ठाकुर टोला में मुख्य मार्ग में एकमात्र हैंडपंप से पानी निकल रहा है, लेकिन वह पीने लायक नहीं है। हैंडपंप के पानी का स्वाद कसैला है, जिस कारण ग्रामीण इस हैंडपंप के पानी का उपयोग केवल कपड़े धोने सहित अन्य निस्तार के लिए ही कर रहे है। गांव में लगे अन्य हैंडपंप काफी समय से बंद पड़े है।

पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक को फटकारा:-

जिला पंचायत सीईओ एवं एसडीएम द्वारा मौके पर मौजूद सचिव गोवर्धन मरावी और रोजगार सहायक यशवंत पारस को जमकर फटकार लगाई गई है। अधिकारियों के निरीक्षण के समय ग्राम पंचायत के सरपंच घनश्याम सरैया मौके से गायब रहे। एसडीएम ने फोन पर सरपंच को भी फटकार लगाई। अधिकारियों ने कहा कि जब गांव में पानी की ऐसी समस्या बनी हुई है तो ग्राम पंचायत स्तर पर अब तक क्यों कोई कार्यवाही नहीं की गई है। अधिकारियों ने कहा कि पानी की समस्या के समाधान के लिए जो भी निर्देश दिए जा रहे हैं उन पर अमल होना चाहिए लापरवाही पर कार्यवाही भी की जा सकती है।

प्यासे को पानी भी नहीं दे पाते ग्रामीणः -

ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती में निवासरत लोगों के घर में यदि कोई जरूरतमंद पीने के लिए पानी की मांग करता है तो वह उसे पानी भी नहीं उपलब्ध करा पाते हैं। पानी की समस्या गर्मी के दिनों में इस कदर बढ़ जाती है कि ग्रामीण डेढ़ किलोमीटर बंधान से पानी लाते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत के जिम्मेदारों नें अपने घर में पानी की व्यवस्था तो कर ली है लेकिन ग्रामीणों की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई बार मांग करने के बाद भी टैंकर से पानी नहीं उपलब्ध कराया गया।

बंद पड़ी है जल जीवन मिशन योजना:-

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के बाहर बंधान के आगे की ओर टेकरी में जल जीवन मिशन योजना के तहत पानी की टंकी तो बना दी गई है। साथ ही बोरिंग भी कराई गई थी। कुछ दिन तो बाकायदा पानी की सप्लाई की गई। इसके बाद जल जीवन मिशन योजना बंद पड़ी हुई है। लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी ग्रामीणों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

हैंडपंप की गई सफाई डाले गये पाईप-

मौके पर पहुंचे अमले ने निरीक्षण के बाद पीएचई विभाग को हैंडपंप की सफाई के साथ जरूरत पड़ने पर पाईप बढ़ाने के निर्देष दिये । जिसके बाद पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री के निर्देषन में हैंडपंप में सुधार कार्य के साथ पाईप भी डाले गये है। जानकारी के अनुसार खरगहना गांव में 175 फीट में जलस्तर होना पाया गया है और हैंडपंप में लगभग 290 मीटर की गहराई वाले बोर में पाईप डालने का काम किया जा रहा है। कलेक्टर के सज्ञान में आने के बाद मौके पर पहुंचे प्रषासनिक अमले के द्वारा त्वरित निरीक्षण और कार्यवाई पर ग्रामींणो के द्वारा कृतज्ञता जताई गई है।

हटाया गया अतिक्रमण-

खरगहना में एक व्यक्ति द्वारा बाड़ लगाकर सरकारी हैंडपंप पर कब्जा कर लिया गया था और उसके आसपास कचरा डाला गया था। जिससे ग्रामींण उसका उपयोग नही कर पा रहे थे । निरीक्षण के दौरान एसडीएम रामबाबू देवांगन ने पटवारी को अतिक्रमण हटवाने के निर्देष दिये साथ ही गाड़ासरई पुलिस को भी अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाई करने के फोन से निर्देष दिये लेकिन कार्यवाई के पूर्व ही ग्रामीण ने अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया ।

सड़क दुर्घटनाः मोटर साइकिल ने युवक को मारी टक्कर, युवक की हुई मौत

जबलपुर में इलाज के दौरान युवक की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग, किया सड़क जाम

डिंडौरी

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम के चटुवा में शुक्रवार रात मोटरसाइकिल सवार ने गांव के ही एक युवक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। युवक की मौत से गुस्साए ग्रामीणों व परिजनों ने शनिवार की दोपहर डिंडोरी से समनापुर रोड में चटुवा में चक्का जाम कर दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद जाम समाप्त हुआ। जानकारी में बताया गया कि शुक्रवार की रात बिजली गुल होने के कारण भुवन सिंह उम्र 35 साल अपने घर के बाहर सड़क किनारे बैठा था। रात करीबन 11.30 बजे यह घटना घटित हुई। दुर्घटना के बाद चालक मोटरसाइकिल छोड़कर घटना स्थल से फरार हो गया। गंभीर अवस्था में भुवन को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। शनिवार सुबह करीब 9 बजे जबलपुर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। युवक की मौत की जानकारी लगते ही गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने डिंडौरी-समनापुर मार्ग पर शनिवार की दोपहर करीब दो बजे चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी और पीड़ति परिवार को आर्थिक सहायता की मांग की। चक्का जाम की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार शशांक शेडे और कोतवाली निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश दी। नायब तहसीलदार ने उचित आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग विहिप और बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन

डिंडोरी

शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचकर बंगाल में हो रही हिंसा के विरोध में प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।ममता सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुये विहिप के जिला अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र मरकाम ने कहा कि बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर ममता सरकार की खामोशी असहनीय है।बतलाया गया है कि ममता सरकार के कार्यकाल में हिंदुओं की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है, मुर्शिदाबाद से शुरू हिंसा पूरे राज्य में फैल चुकी है और हिंदुओं की हत्याएं की जा रहीं हैं।परिणामस्वरूप हिंदू समाज को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बंगाल में रोहिंग्या और पाकिस्तान से लोगों को बुलाकर उनके फर्जी आधार कार्ड बनवाए जा रहे हैं। वक्फ कानून के विरोध में हुई हिंसा में हिन्दू समाज को निशाना बनाकर,हिंदुओं के घर जलाए गए।इस दौरान विहिप और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने पश्चिम बंगाल में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। उनकी अन्य प्रमुख मांगों में एनआईए से हिंसा की जांच कराना, केंद्रीय सुरक्षा बलों को कानून व्यवस्था का जिम्मा सौंपना और बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निष्कासित करना शामिल है। साथ ही, बांग्लादेश सीमा पर 450 किलोमीटर लंबी बाड़ लगाने का कार्य शुरू करने की मांग भी की गई है।इस दौरान जिला अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद डॉ. देवेंद्र मरकाम, अरुण अवधिया,चेतन चैहान, बजरंग दल संयोजक बिन्नू मिश्रा, शैलेंद्र कोहली,मोहन नरवरिया, अर्पित चैरसिया, राज बिहारी सोनी, सरजू बघेल,नानू ठाकुर, विवेक पाराशर, आयुष परमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमरकंटक में होगा मध्य प्रदेश शिक्षक संघ का त्रिदिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की प्रांतीय बैठक 9 एवं 10 अप्रैल पशु महाविद्यालय जबलपुर में आयोजित हुआ, उक्त बैठक में माह मई 10, 11, 12 को प्रांतीय अभ्यास वर्ग का आयोजन अमरकंटक में आयोजित करने का निर्णय लिया गया, इस प्रांतीय अभ्यास वर्ग में अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारी, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के संपूर्ण प्रांतीय पदाधिकारी, प्रांतीय आयाम प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारी, समस्त जिलों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री, महिला उपाध्यक्ष, महिला सह -सचिव कुल 6पदाधिकारी, सभी संभागों से अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री कुल 4 पदाधिकारी प्रांतीय अभ्यास वर्ग में प्रतिभागी होंगे, जिनकी संख्या लगभग 300 होगी, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त प्रांतीय अभ्यास वर्ग की तैयारी हेतु 20/4/2025 दिन रविवार को समय प्रातः 9 बजे से शहडोल एवं अनूपपुर जिले की बैठक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बुढार बीआरसी भवन बुढार की प्रांगण में आयोजित की गई है, उमरिया जिले की बैठक उमरिया में दोपहर 1 बजे से आयोजित है, इस प्रांतीय अभ्यास वर्ग के आयोजन की समस्त जिम्मेदारी संभाग शहडोल के तीनों जिले क्रमशः शहडोल, अनूपपुर एवं उमरिया को सौंपा गया है। उक्त बैठक में तीनों जिले के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित संपूर्ण कार्यकारिणी सहित तहसील, नगर, विकास खंडों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष अपेक्षित हैं, जिला शहडोल, अनूपपुर, उमरिया के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष से आग्रह है कि आप सभी लोग अपने स्तर से समस्त इकाइयों के पदाधिकारी को सूचित करते हुए उक्त बैठक में अपने साथ उन्हें भी उपस्थित करना सुनिश्चित करेंगे, ताकि सभी इकाइयों से सहयोग प्राप्त हो सके मध्य प्रदेश शिक्षक संघ पूर्व पदाधिकारी को भी इस बैठक में उपस्थित होने हेतु आमंत्रित करें।

पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के विरुद्ध हिंसा से नाराज लोगों ने की राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

अनूपपुर में विश्व हिन्दू परिषद ने किया विरोध प्रदर्शन

अनूपपुर। पश्चिम बंगाल में एक वर्ग विशेष द्वारा हिन्दुओं के प्रति लगातार लक्षित हिंसा करते हुए मार- पीट , हत्याएं , बलात्कार, लूट, आगजनी करते हुए हिन्दुओं के घरों, दुकानो, सम्पत्तियों को लूटा,तोडा और जलाया जा रहा है। इसके विरोध में देश भर मे आज विभिन्न हिन्दू संगठनों द्वारा जिला मुख्यालयों मे विरोध प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम पर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। अनूपपुर जिला मुख्यालय में भी 19 अप्रैल ,शनिवार को विश्व हिन्दू परिषद्, हिन्दू एकता मंच अनूपपुर सहित अन्य संगठनों द्वारा संयुक्त रुप से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एडीएम दिलीप पाण्डेय को एक ज्ञापन सौंप कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गयी। विश्व हिन्दू परिषद महाकौशल प्रांत, जिला अनूपपुर, हिन्दू एकता मंच अनूपपुर के साथ समस्त हिन्दू समाज के नेतृत्व में जिला मुख्यालय अनूपपुर मे 19 अप्रैल को दोपहर 4 बजे से धरना - प्रदर्शन किया गया। शिव-मारुति मन्दिर परिसर में अनूपपुर, राजेन्द्रग्राम, कोतमा, बिजुरी, राजनगर, चचाई सहित अन्य स्थानों से आए लोगों ने परिसर में सबसे पहले श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। इसके बाद जिला मंत्री ने विरोध पत्र का वाचन किया। तत्पश्चात रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट भवन के मुख्य द्वार पर एडीएम दिलीप पाण्डेय को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप कर मांग किया कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है।

खबर संक्षेप

संबल योजना का लाभ लेने भटक रहा ग्रामीण

डिण्डौरी- शासन की जनकल्याणकारी संबल योजना का लाभ लेने ग्रामींण दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। थकहार कर कलेक्टर से लिखित आवेदन के माध्यम से योजना का लाभ दिलाये जाने की मांग की है। भानसिंह पिता लच्छू उम्र 50 साल निवासी ग्राम औरई ने आवेदन में उल्लेख किया है कि उसकी पत्नि विद्या बाई की मृत्यु 5 अक्टूबर 2022 को हुई थी । जिसके बाद उसके द्वारा ग्राम पंचायत में संबल योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था लेकिन लाभ नही मिला । सरपंच सचिव से पूछने पर संतुष्टि पूर्ण जबाव नही मिलने पर जनपद कार्यालय डिण्डौरी पहुंचकर इस बावद जानकारी लिया लेकिन जनपद पंचायत में भी उसे गुमराह किया जा रहा है। ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत में पिछले दो वर्ष से चक्कर काट रहा है लेकिन कार्यवाई के अभाव में उसे योजना का लाभ नही मिल रहा है। जिसके बाद आवेदक ने कलेक्टर से योजना का लाभ दिलाये जाने की मांग की है।

पीएम आवास के स्थान पर पीएम जनमन आवास दिलाये जाने की मांग

डिण्डौरी-विषेष पिछड़ी जनजाति बैगा को शासन द्वारा जनमन आवास का लाभ प्रदान किया जा रहा है। जिसमें आवास निर्माण के लिए शासन द्वारा 2 लाख रूपये प्रदान किये जा रहे है। वहीं सभी वर्ग के पात्र हितग्राहियों को पीएम आवास योजना में आवास निर्माण के लिए शासन द्वारा 1 लाख 20 हजार रूपये निर्धारित किया गया है ।और हितग्राहियों को प्रदान किये जा रहे है। लेकिन 2024-25 में पीएम जनमन आवास योजना शुरू होने के बाद बैगा जनजाति के हितग्राही पीएम जनमन आवास की मांग कर रहे है। जबकि पूर्व के सर्वे के मुताबिक बैगा हितग्राहियों के पीएम आवास स्वीकृत किये जा चुके है। विगत दिन ग्राम पंचायत पोंड़ी अंतर्गत गोयरा निवासी सम्हारू सिंह धुर्वे ने कलेक्टर कार्यालय में दिये गये आवेदन के माध्यम से पीएम आवास के स्थान पर पीएम जनमन आवास की मांग की है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत अंतर्गत पीएम आवास की जारी सूची में उसका नाम भी दर्ज है। लेकिन वह इस योजना का लाभ नही लेना चाहता बल्कि पीएम जनमन आवास योजना के तहत उसे लाभ प्रदान किया जाये ।आवेदन में उल्लेख किया है कि पीएम आवास के तहत स्वीकृत राषि से आज के मंहगाई के मद्देनजर आवास निर्माण करना संभव नही है । वहीं पीएम जनमन के तहत स्वीकृत राषि से आवास आसानी से बन जाता है।

बैंक के सामने खड़ी की गई मोटरसाइकिल अज्ञात ने की चोरी

डिंडौरी- कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खनूजा कॉलोनी स्थित एक बैंक के सामने खड़ी की गई मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ति नवनीत शुक्ला पिता राकेश कुमार शुक्ला उम्र 33 साल निवासी वार्ड क्रमांक एक सुबखार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे मै अपनी मोटरसाईकिल क्रमांक एमपी 52 एमबी 3461 से स्टेंट बैंक आफ इंडिया की खनूजा कालोनी स्थित ब्रांच काम से गया था। वहां रोड किनारे मोटरसाइकिल को लाक कर खडा करने के बाद मै बैंक के अंदर चला गया था। बैंक का काम खत्म कर करीब आधा घंटे बाद बैंक से बाहर आकर देखा तो मेरी मोटरसाइकिल को मैने जहां पर खडा किया था वहां नही थी। मोटर साइकिल को आसपास काफी ढूंढा लेकिन कुछ पता नही चला। बताया गया कि कोई अज्ञात व्यक्ति स्टेट बैंक आफ इंडिया की खनूजा कालोनी स्थित ब्रांच के सामने से मेरी मोटर साइकिल चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध बीएनएस की धारा के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

मोटर साइकिल अनियंत्रित होने से गिरकर युवक हुआ घायल

डिंडौरी। जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खरगहना में मुख्य मार्ग पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से गिरकर एक युवक घायल हो गया है। घायल को उपचार हेतु 108 एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। अस्पताल चैकी पुलिस को दिए कथन में कमलेश पिता वचन सिंह परस्ते उम्र 22 साल निवासी ग्राम खरगहना ने बताया कि शनिवार की सुबह मै अपने पिता की मोटरसाइकिल से अपने गांव से डिंडौरी आने के लिए निकला था। सुबह करीबन 8 बजे गांव के घनश्याम राठौर के घर के पास सामने से आ रही मोटरसाइकिल को साइड देने के लिए मैंने अपनी मोटरसाइकिल सड़क से नीचे उतार दी जिससे मोटरसाइकिल एक पत्थर से टकराकर अनियंत्रित हो गई। मोटरसाइकिल सहित गिरकर मैं घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों के सहयोग से 108 एम्बुलेंस से मुझे जिला चिकित्सालय लाया गया है। दुर्घटना में मुझे चेहरे और दाएं पैर में चोट आई है।

खबर संक्षेप

पार्थ तिवारी का सुयश

नरसिंहपुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र पार्थ तिवारी ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित जे ई ई मेंस में गणित संकाय में 92.8ः अंक अर्जित कर शाला परिवार को गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि पार्थ ने 12वीं की परीक्षा के साथ ही जे ई ई की तैयारी भी की थी। शनिवार को जारी किए गए परीक्षा परिणाम में पार्थ ने प्रथम बार में ही बिना अतिरिक्त कोचिंग के ही उत्कृष्ट स्थान अर्जित किया है। पार्थ धनारे कॉलोनी निवासी धनपति तिवारी के सुपौत्र और सुधाकर तिवारी के पुत्र हैं। पार्थ की इस सफलता पर विद्यालय परिवार व परिजनों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

सकड़ दुर्घटना में युवक की मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस सड़क दुर्घटना युवक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुनील पिता कैलाश ज्योतिषी निवासी गोरखपुर को जैतपुर के पास अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी जिससे कार पेड़ से जा टकराई और व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस मर्ग प्रकरण तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

तुअर उपार्जन हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 30 तक बढ़ी

नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में जिले में समर्थन मूल्य पर तुअर की खरीदी के लिए किसान पंजीयन का कार्य किया जा रहा है। किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। पहले यह पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल नियत की गई थी, जिसे राज्य शासन ने किसानों के हित में अब अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 कर दी है।

दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण व संवर्धन का दिया संदेश

नरसिंहपुर। पानी की सुरक्षा- जीवन की सुरक्षा, बूंद- बूंद की बचत करें- जीवन को सुरक्षित करें, जल है तो कल है आदि प्रेरक नारों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। जिले में दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण व संवर्धन के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 30 जून तक जल संरक्षण व संवर्धन के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में परिषद की सेक्टर श्रीनगर से संबंधित नवांकुर संस्था नई पहल फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत बगासपुर में जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान शपथ, रैली, नुक्कड़ नाटक एवं अन्य जन जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्य भूपेंद्र परिहार, गणेश प्रजापति, अर्जुन रजक, राजा चढ़ार एवं शिवम यादव सहित अन्य मौजूद थे।

युवक ने लगाई फांसी

नरसिंहपुर। विगत दिवस युवक द्वारा अपने ही घर में फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राधेलाल पिता खमान सिंह मल्लाह उम्र 18 वर्ष निवासी महादेव पिपरिया जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग प्रकरण तैयार कर शव का परीक्षण कराया परिजनों को सौंप दिया।

डोभी में देवी महापुराण के तहत देवी महिमा का किया जा रहा वर्णन

डोभी । पुराने बाजार परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद देवी भागवत महापुराण कथा में कथा व्यास पंडित रविशंकर तिवारी के द्वारा तीसरे दिन आदिशक्ति मां भगवती की महिमा का विशेष वर्णन किया। कथा व्यास ने बताया कि देवी भागवत कथा के श्रवण मात्र से ही मनुष्य के जाने अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल जाती है। उन्होंने मधु-कैटभ राक्षसों के वध के बाद की कथा सुनाते हुए बताया कि कैसे देवताओं ने अंबा यज्ञ का आयोजन किया। इस दौरान एक स्वचालित पुष्पक विमान प्रकट हुआ। जो तीनों देवों को ब्रह्म लोक शिव लोक और बैकुंठ से होते हुए अमृत समुद्र के निकट मणिद्वीप तक ले गया। मणि द्वीप पर देवों को मां भुवनेश्वरी के दर्शन हुए।जिन्होंने त्रिशक्ति के रूप में काली लक्ष्मी और सरस्वती के साथ भेदन का ज्ञान दिया। इसके बाद देवों ने लौटकर देवियों के साथ अम्बा यज्ञ का आयोजन किया। जिसमें अरूणी मंथन से अग्नि का प्राकट्य किया गया।

जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित

कलेक्टर ने जारी किया आदेश, नलकूप खनन प्रतिबंधित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पेयजल एवं अन्य निस्तार समस्याओं को देखते हुए जनता को पेयजल प्रदाय बनाये रखने एवं बढ़ाने के लिए पेयजल का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए तथा जनता की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 एवं संशोधन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत जनहित में जिले की समस्त विकासखंडों के ग्रामीण और नगरीय शहरी क्षेत्रों को तत्काल प्रभाव से जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है, जो 30 जून 2025 तक की अवधि के लिए लागू होगा। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत एक पक्षीय तौर पर पारित किया गया है।

बिना अनुमति नही कर सकेंगे नलकूप खनन

जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में किसी भी शासकीय भूमि पर स्थित जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोड़कर अन्य किसी भी प्रयोजनों के लिये नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्त्रोतों का जल दोहन किन्ही भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नही करेगा। जिले की समस्त विकासखण्डों एवं नगरीय क्षेत्रों की समस्त नदियों, नालों, स्टापडैम, सार्वजनिक कुओं तथा अन्य जल स्त्रोतों का उपयोग एवं घरेलू प्रयोजन हेतु तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किया गया है। जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा प्राइवेट ठेकेदार अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किये बिना किसी भी प्रयोजन के लिये नवीन नलकूप का निर्माण नहीं करेगा। यह आदेश शासकीय नलकूप खनन पर लागू नहीं होगा।

असफल नलकूपों को करना होगा बंद

जारी आदेश में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों को अपनी निजी भूमि पर नलकूप खनन कार्य कराना है, उन्हें ऐसा करने के लिये निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को आवेदन करना होगा। इस कार्य के लिए जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र के समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सक्षम अधिकारी प्राधिकृत किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी अनुमति देने के पूर्व आवश्यक जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण कर लेवें तथा अनुमति दिये जाने के संबंध में संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभिमत अनुशंसा प्राप्त करेंगे। खनित नलकूप असफल होने पर नलकूपों में से केसिंग नहीं निकाली जायेगी। नलकूप में केप लगाकर चारों ओर आधा मीटर के साईज का सीमेंट कंक्रीट ब्लॉक बनाना अनिवार्य होगा।

अधिकारियों को बनाया नोडल

सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत सूख जाने के कारण वैकल्पिक रूप से दूसरा कोई सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत उपलब्ध नहीं होने पर जनहित में संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी उस क्षेत्र के निजी पेयजल स्त्रोत को पेयजल परिरक्षण संशोधित अधिनियम 2002 के प्रावधानों और उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-9 (मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के द्वारा संशोधित) एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी। जारी आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, सभी थाना प्रभारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समस्त फील्ड स्तर के अधिकारी- कर्मचारी, सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा सभी ग्राम पंचायतों के सचिवों द्वारा सुनिश्चित किया जावेगा।

निजी नलकूप खनन प्रतिबंधित

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी को कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि ग्रीष्म ऋतु में नरसिंहपुर जिले के औसत भू-जल स्तर में गिरावट हुई है। सिंचाई इत्यादि कार्यों में भूगर्भीय जल का अत्यधिक दोहन होने के कारण पेयजल स्त्रोतों के जलस्तर में कमी आयी है। इस कारण जिले के समस्त विकासखण्ड एवं नगरीय शहरी क्षेत्रों के नलकूपों एवं अन्य जल स्त्रोतों के जल स्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे जिले में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होने की संभावना है। पेयजल संकट की स्थिति को देखते हुये उनके द्वारा अनुशंसा की गई है कि निजी नलकूप खनन में पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जावे, जिससे सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों की क्षमता प्रभावित न हो। जनहित में पेयजल एवं अन्य निस्तार समस्याओं को देखते हुये जनता को पेयजल प्रदाय बनाये रखने एवं बढ़ाने के लिये, पेयजल का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिये तथा जनता की आवश्यकता की पूर्ति के लिये सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया जावे। इस पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने उक्त आदेश जारी किया है।

रेलवे अस्पताल में किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रेलवे स्टेशन पर विश्व लिवर दिवस के अवसर पर रेलवे अस्पताल ने हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन शनिवार को किया। इस कैंप में बड़ी संख्या में यात्रियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। रेलवे के डॉ. कुर्रे ने बताया कि 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम भोजन ही औषधि है रखी गई है। संतुलित और पोषणयुक्त आहार लिवर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के अनुसार, लिवर मस्तिष्क के बाद शरीर का दूसरा सबसे बड़ा अंग है। यह पाचन तंत्र का प्रमुख हिस्सा है। लिवर भोजन पचाने के साथ दवाओं के प्रभाव को भी नियंत्रित करता है। लिवर शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करता है। यह संक्रमण से लड़ता है और रक्त में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित करता है। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। रक्त के थक्के जमाने में मदद करता है। वसा को पचाने में सहायता करता है। पित्त का निर्माण करता है। लिवर की बीमारी के मुख्य लक्षणों में भूख में कमी, वजन घटना और पीलिया शामिल हैं। अत्यधिक शराब सेवन, नशा, हेपेटाइटिस बी और बिना निगरानी के दवा सेवन लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टीबी की दवाएं भी लिवर को प्रभावित कर सकती हैं। डॉ. आरआर कुर्रे के नेतृत्व में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को लिवर की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में रेलवे अधिकारी, कर्मचारी, मरीज और उनके परिजन शामिल हुए।

कलयात्रा के साथ श्रीराम महायज्ञ श्री रामकथा एवं रामलीला प्रारंभ

देश भर से साधु संत का आगमन हुआ

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर ।

बाईपास रोड टट्टा पुल के समीप स्थित श्री सिद्ध बाबा झिरना परिसर में 19 अप्रैल से 21 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ श्री राम कथा, श्री रामलीला एवं विराट संत सम्मेलन कलश शोभायात्रा से प्रारंभ हुआ। कलश शोभा यात्रा संत सीताराम दास जी महाराज के अलावा अनेक साधु संतों के सानिध्य में श्री सिद्ध बाबा झिरना से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से निकली। यात्रा का अनेक स्थानों पर स्वागत सत्कार किया गया। यज्ञ आयोजन समिति ने बताया कि श्री श्री 1008 अनंत विभूषित राष्ट्रीय संत चित्रकूट धाम सनकादिक महाराज के सानिध्य एवं भगवान श्री सीताराम जी सरकार की अनुकम्पा से 19 अप्रेल से 27 अप्रेल तक 21 कुंडीय श्री राम महायज्ञ श्री रामकथा, श्री रामलीला एवं विराट संत सम्मेलन एवं प्रति भण्डारा श्री सिद्व बाबा झिरना बायपास पर होगा। इस धार्मिक आयोजन में मन कर्म वचन से अनेक श्रद्धालु

जुटे हुए हैं। समिति ने बताया कि पहले दिन श्री सिद्व बाबा झिरना से कलश यात्रा वाहनों से निकली। शाम 4 बजे से श्रीराम कथा, शाम 7 बजे से श्रीरामलीला का मंचन हुआ एंव 20 अप्रेल से लेकर प्रतिदिन यज्ञ पूजन हवन सुबह 6.30 से दोपहर 12 बजे तक,शाम 4 बजे से श्रीराम कथा व शाम 7 बजे सेरात्रि 10 बजे तक श्री रामलीला होगी। जबकि 20 एंव 21 अप्रेल को शंकराचार्य नेत्रालय झौतेश्वर द्वारा सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक निशुल्क नेत्र जांच परामर्श शिविर लगाया जायेगा एंव 27 अप्रेल को पूर्णाहूति व संत ब्राहण भेंट विदाई कार्यक्रम होगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि संत सनकादिक महाराज के सानिध्य में यह यज्ञ हो रहा है। सभी धर्मप्रेमियों से अपील की गई है कि वे यज्ञ में अधिक से अधिक सहयोग कर आयोजन में सहभागी बनें।

विधायक की जनसुनवाई में पहुंच रहे राजस्व के मामले

तेंदूखेड़ा । तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तेंदूखेड़ा में साप्ताहिक बाजार शनिवार के दिन स्वयं विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने अपना एक कार्यालय बनाकर जनसुनवाई शुरू की गई है। जिसमें लोगों की समस्यायों को सुनकर उन्हें गंभीरता से लेते हुए निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई संबंधित विभागीय अधिकारियों के माध्यम से समय सीमा में कराया जा रहा है।इसी श्रंखला के चलते शनिवार को विधायक के समक्ष लगभग 14 से अधिक मामले सामने आए जिसमें राजस्व से संबंधित शिकायतें ज्यादा रहीं। संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण करने हुए निर्देशित किया गया है। हमारे प्रतिनिधि को विधायक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार राजस्व रिकार्ड में कम्प्यूटर पर नक्शा वटांकन चढ़ाने बंधी मौजा में सीमांकन एवं नक्शा काटने सुन्हेटी का हल्का पटवारी बदलने तथा मकान से कब्जा हटाने के साथ साथ राशि देने के बाद रास्ता नहीं खोले जाने जल जीवन मिशन के तहत पिलंम्बर का भुगतान करवाने तथा विद्युत बिलों ट्रांसफार्मर बदलने खाद्यान्न पर्ची चबूतरा निर्माण आवास एवं रोजगार सहायक सचिव के स्थानांतरण सहित विभिन्न आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

असाक्षर व्यक्तियों का सर्वे अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों के अनुसार 15 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के असाक्षरों को नवसाक्षर करने हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। सर्वे कार्य प्रक्रिया एवं प्रोजेक्ट वर्क के रूप की जानकारी देते हुए जिला साक्षरता समन्वयक अखलेश राजौरिया ने बताया कि जिले में प्रत्येक ग्रामवार्ड के सामाजिक चेतना केन्द्र के नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम में सहयोग कर रहे व्यक्तियों द्वारा 2011 की जनगणना के अनुसार अभी तक योजनाओं में उत्तीर्ण नवसाक्षरों के उपरांत शेष बचे असाक्षरों, के अलावा आंगनवाड़ी केन्द्रों ,स्थानीय बी.एल.ओ से असाक्षर लोगो की स्थानीय असाक्षरों की नामजद जानकारी ग्राम, वार्ड स्तर के बैंकों से हस्ताक्षर नहीं करने वाले असाक्षरों की सूची प्राप्त कर नोडल अधिकारी ग्राम के सभी शिक्षकों, छात्र, छात्राओं एवं अक्षर साथियों के साथ ग्राम का एक नजुली नक्शा तैयार कर शिक्षकों एवं जहां-जहां छात्र, छात्राएं रहते हैं उनकी टीम बनाकर निर्धारित प्रपत्र में 20.अप्रैल 2025 तक असाक्षरों का सर्वे कार्य किया जा रहा है जिसे नोडल अधिकारी, शिक्षक एवं अक्षर साथी मोवाइल एप्प के माध्यम से स्वयं के यूनिक आईडी से लॉगिन कर असाक्षरों को सर्वे के दौरान पंजीकृत किया जा रहा है। सर्वे उपरांत चिन्हित असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता ज्ञान के साथ-साथ महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे वित्तीय साक्षरता, डिजीटल साक्षरता, स्वास्थ्य परिचर्चा आदि विषयों का ज्ञान उल्लास नव भारत साक्षरता केंद्र पर ष्अक्षर साथीष द्वारा दिया जाएगा। प्रत्येक ग्रामवार्ड के अंतर्गत शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के कक्षा 05 से 12 के छात्र - छात्राएं एवं महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं को अक्षर साथी के रूप में कम से कम 05 असाक्षरों को उल्लास अक्षर पोथी प्रवेशिका के माध्यम से पठन-पाठन कराते हुए नवसाक्षर करने की जवाबदारी प्रोजेक्ट वर्क के रूप में सौंपी कर किया जाएगा। जिसके लिए प्रत्येक छात्र छात्राओं का मोबाइल एप्प में अनिवार्यतः रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। इन सभी अक्षर साथी को राज्य स्तर से ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। अभी तक 2011 की जनगणना के आधार पर 230849 असाक्षरों में से 108990 साक्षरता योजना में साक्षर हुए हैं। वर्तमान जारी सर्वे में जिले के 31099 असाक्षर पोर्टल पर पंजीकृत किए गए हैं। जनगणना 2011के अनुसार 90760 असाक्षर सर्वे हेतु शेष हैं जिसके लिए विकासखंड स्त्रोत समन्वयक,विकासखंड सह समन्वयक बी ए सी,जनशिक्षकों , संकुल सह समन्वयक द्वारा समीक्षा बैठक कर सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

BEST NURSING INSTITUTE IN CHHATTISGARH

स्वयं का चन्दूलाल चन्द्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल नेहरू नगर भिलाई में प्रायोगिक प्रशिक्षण की सुविधा

उज्जवल भविष्य की ओर पहला कदम

सी.एम. नर्सिंग इंस्टीट्यूट

चन्दूलाल चन्द्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल,नेहरू नगर भिलाई (छ.ग.)

9575932505, 9981441310, 9993095054

cmnursinginstitute@gmail.com

Limited Seat

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा 2025-26

नर्सिंग संकाय
- बी.एस.सी (नर्सिंग)
- एम.एस.सी (नर्सिंग)
- पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. (नर्सिंग)

ADMISSION OPEN 2025-26

नर्सिंग (PNT) ऑनलाईन आवेदन दिनांक 02.04.2025 से 25.04.2025 तक

Affiliated : Indian Nursing Council, Delhi, Chhattisgarh Nurses Registration Council, Raipur
Pt. : Deendayal Upadhyay Memorial Health, Sciences and Ayush University of Chhattisgarh

ऑनलाईन आवेदन व्यापम के अधिकारिक वेबसाईट पर https://vyapamcg.cgstate.gov.in

Job Placement | Hostel Building | Laboratory Library | Transportation & Mess